विविध वाद सं0– 01 / 2018
कम्प्यूटर सं0 01 / 2018
विपिन कुमार बनाम अमित कुमार आदि

दिनांक 28.09.2018

पत्रावली पेश हुई। बार बार पुकार पर प्रार्थी अनुपस्थित है। उसकी ओर से कोई स्थगन प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। विपक्षी पक्ष उपस्थित है।

सुना एवं पत्रावली का अवलोकन किया।

पत्रावली के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्रार्थी विगत कई तिथियों से अनुपस्थित है। ऐसा प्रतीत होता है कि अब प्रार्थी की वाद चलाने में कोई रूचि नहीं रह गई है।

अतः प्रार्थी की अनुपस्थिति एवं विपक्षी की उपस्थिति में विविध वाद खारिज किये जाने योग्य है।

आदेश

प्रार्थी की अनुपस्थिति एवं विपक्षी की उपस्थिति में विविध वाद खारिज किया जाता है। पत्रावली नियमानुसार दाखिल अभिलेखागार हो।

सिविल जज (सी0डि0), प्रथम हापुड़